No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

01951

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य के वैचारिक आधार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *10*

2. मराठी दलित साहित्य के विकास में अर्जुन डांगले के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

3. 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा के आधार पर स्त्री-मुक्ति के प्रश्न पर विचार कीजिए । *10*

4. नारायण गुरु द्वारा चलाए गए सामाजिक आंदोलन पर एक निबंध लिखिए । *10*

5. दलित आंदोलन में दलित साहित्य की भूमिका स्पष्ट कीजिए । *10*

6. दलित आत्मकथाओं के आधार पर भारतीय समाज में व्याप्त भेदभाव पर प्रकाश डालिए । *10*

7. प्रेमचंद और दलित कहानीकारों की कहानियों में व्यक्त दलित चेतना को रेखांकित कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) नागार्जुन की दलित चेतना

   (ख) प्रेमचंद के नारी-संबंधी विचार

   (ग) वैकम सत्याग्रह

   (घ) अछूतानंद

9. सामाजिक बदलाव में दलित साहित्य की भूमिका को रेखांकित कीजिए । *10*

10. दलित आलोचना के परिदृश्य पर प्रकाश डालिए । *10*